राज्य कृषि-मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल
State Agro-Meteorological Centre Bhopal
भारत मौसम विज्ञान विभाग
India Meteorological Department

बुलैटिन क्र 28/2020

कृषि मौसम परामर्श बुलेटिन
राज्य : मध्य प्रदेश
Agrometeorological Advisory Bulletin
State:Madhya Pradesh

वैधता–08 अप्रैल 2020 से 12 अप्रैल 2020 तक
Validity :–08.04.2020 to 12.04.2020

Next Update: 09.04.2020
अगला नवीनीकरण: 09.04.2020

जारी करने का दिन **मंगलवार, 07 अप्रैल 2020**

Issued on **TUESDAY, 07th APRIL 2020**

द्वारा : भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम केन्द्र, भोपाल
Issued by: Meteorological Centre Bhopal

सौजन्य से
जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
राजमाता विजयाराजेय सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर
तथा
कृषि विभाग, मध्य प्रदेश शासन, भोपाल

In collaboration with
JNKVV, Jabalpur, RVSKVV, Gwalior
and
Department of Farmers' Welfare and Agricultural Development, Bhopal, M.P.

राज्य के उप-विभाग

मौसम संबंधी उद्देश्यों के लिए, राज्य को दो उप प्रभागों में विभाजित किया गया है:

पूर्वी एम.पी. जिसमें अनूपपुर, बालाघाट, छतरपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, डिंडोरी, जबलपुर, कटनी,मंडला, नरसिंहपुर, पन्ना, रीवा, सागर, सतना, सिवनी, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़ और उमरिया जिले शामिल हैं।

पश्चिमी एम.पी. जिसमें अलीराजपुर, अशोकनगर, बड़वानी, बैतूल, भिंड, भोपाल, बुरहानपुर, दतिया, देवास, धार, गुना, ग्वालियर, हरदा, होशंगाबाद, इंदौर, झाबुआ, खंडवा, खरगोन, मंदसौर, मुरैना, नीमच, रायसेन, राजगढ़, रतलाम, सीहोर, शाजापुर, श्योपुर, शिवपुरी, उज्जैन और विदिशा जिले शामिल हैं।

मध्य प्रदेश के कृषि-जलवायु क्षेत्र (Agro-climatic Zone)

क्रमांक	कृषि-जलवायु क्षेत्र	जिले	एग्रोमेट फील्ड इकाइयाँ (AMFU)
1.	क्यमोरे पठार और सतपुड़ा हिल्स	जबलपुर, सतना, पन्ना, सिवनी, रीवा, सीधी, कटनी, अन्नूपुर, सिंगरौली, बालाघाट, उमरिया, मंडला, डिंडोरी, शहडोल	जबलपुर
2.	विंध्यान पठार	सागर, दमोह, भोपाल, सिहोर, रायसेन, विदिशा	सिहोर
3.	मध्य नर्मदा	नरसिंहपुर, होशंगाबाद	पोवारखेड़ा
4.	गिर्द	मुरैना, भिंड, ग्वालियर, शिवपुरी, गुनाश्योपुर, अशोकनगर	मुरैना
5.	झाबुआ पहाड़ियाँ	झाबुआ, अलीराजपुर, धार	झाबुआ
6.	बुंदेलखंड	दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर	टीकमगढ
7.	सतपुड़ा पठार	बैतूल और छिंदवाड़ा	छिंदवाड़ा
8.	मालवा पठार	उज्जैन, इंदौर, मंदसौर, रतलाम, शाजापुर, राजगढ़, देवास, नीमच	इंदौर
9.	निमाड़ घाटी	खरगौन, खंडवा, बड़वानी, बुरहानपुर, हरदा	खरगौन

मौसम सारांश अवधि 03.04.2020 से 06.04.2020 तक

Weather Summary for the period from 03.04.2020 to 06.04.2020

Synoptic conditions: -

Generally, dry air prevailed over the State on 03rd.

A cyclonic circulation lay over Vidarbha & neighbourhood extended up to 2.1 km amsl on 04th; shifted over South West Madhya Pradesh & adjoining neighbourhood between 1.5 & 2.1 km above mean sea level on 05th and shifted over Marathawada & neighbourhood on 06th.

A trough/ wind discontinuity at 1.5 km above mean sea level ran from South interior Karnataka to West Vidarbha across North interior Karnataka and the cyclonic circulation over Marathawada on 06th.

Highest Maximum Temperature – 45°C recorded at Khargone on 06th.
Lowest Minimum Temperature – 14°C recorded at Datia on 04th.

Rainfall:- 02 cm recorded at Malanjkhand of Balaghat district on 05th.

Spatial Distribution

Date/ Sub-division	East M.P.	West M.P.
03/04/2020	Dry	Dry
04/04/2020	Dry	Dry
05/04/2020	Isolated (One or Two Places)	Isolated (One or Two Places)
06/04/2020	Isolated (One or Two Places)	Dry

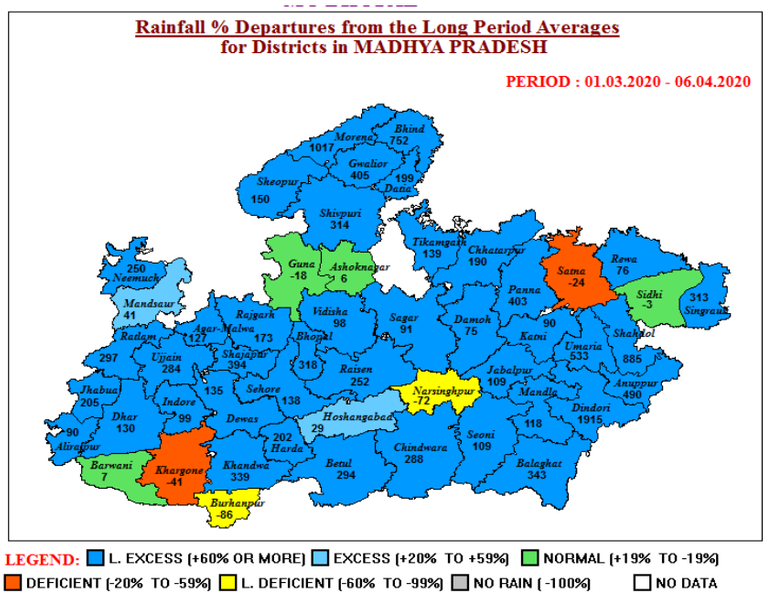

Day and Night temperatures departures from Normal

Day Temperatures were normal over the State.
Night Temperatures were normal over the State.

Current synoptic conditions:-

An induced cyclonic circulation lies over south Rajasthan & neighbourhood and extends upto 1.5 km above mean sea level.

A cyclonic circulation lies over south Madhya Pradesh & adjoining Vidarbha and extends upto 1.5 km above mean sea level.

A trough/wind discontinuity extending upto 1.5 km above mean sea level runs from above cyclonic circulation over south Madhya Pradesh & adjoining Vidarbha to interior Tamilnadu across interior Karnataka.

Warnings (next 24 hours):- Thunder with Lightning and Gusty winds at isolated places over Shahdol division and Sehore, Hoshangabad, Chhattarpur, Damoh, Katni, Datia, Shivpuri, Betul, Chhindwara and Balaghat districts.

Part-II:- Agroclimatic zonewise/ Agrometeorological Advisories

VINDHYAN PLATEAU

आगामी मौसम पूर्वानुमान आधारित विशेष उपाय/सलाह :– आगामी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आसमान साफ रहेंगें। हवा की दिशा प्रारम्भ में पश्चिम से एवं उत्तर पश्चिम से तथा बाद के दिनों में उत्तर से एवं दक्षिण पूर्व से रहने के कारण दिन एवं रात्रि के तापमान में मामूली बढोतरी रहने का अनुमान है। हवा की गति सामान्य से अधिक रहने तथा गति 7.1 से 16.9 कि.मी. प्रति घण्टे की गति से चलेंगी । आगामी दिनों में वारिश होने की सम्भावना नहीं है। आगामी दिनों में तेज हवाओं का दौर रहेगा अतः नवीन रोपित बागवानी के फलदार पौधों को टूटने तथा गिरने से बचाने के लिए पौधों के लकडी का सहारा दें, सिचाई न करें। गेंहूँ की फसल कटाई के अन्तिम दौर में है। कण्डवा रोग से ग्रसित पौधों को उखाडकर पोलीथिन में भरकर गड्ढे में जलाकर नष्ट करें। जंगली जई एवं गेंहूँ का मामा (गुल्ली डन्डा) को खेत से उखाडकर बाहर नष्ट करें।	
कृषि मौसम पर आधारित सामायिकी सलाह :–	
रबी फसलें	गेंहूँ, चना तथा अन्य तैयार फसलों की पूर्ण सुखाई कर तुरन्त कटाई–मडाई एवं 8 प्रतिशत नमी पर भण्डारण करें।

जायद	1. जायद फसल जैसे मूँग, उडद, भिण्डी एवं कद्दूवर्गीय सब्जियों की बोनी की तैयार करें, ग्रीष्मकालीन मूँग की जातियॉ जैसे पी.डी.एम–11, जे.एम.–721, टी.जे.एम.–1 तथा उडद की जातियॉ उडद–2, पी.डी.यू–1, टी.पी.यू.–4 इत्यादि का चयन करें। बुवाई 05 मार्च से पहले न करें।
फलोत्पादन एवं सब्जी उत्पादन	1. संतरे में कोल्ची बीमारी के नियंत्रण के लिए एमिडाक्लोप्रिड 5 मिली. को 15 लीटर पानी घोलबनाकर बृक्ष पर छिडकाव करें।
	2. आम बादलयुक्त मौसम रहने पर आम में बौर झडने लगता है। नियंत्रण के लिए मटर के आकार के होने पर एन. ए ए का 200 पीपीएम क छिडकाव बृक्ष पर करें। इससे फूल झडने से बचा सकते हैं।
	3. आम के तने का चारो ओर मिलीवग से वचाव के लिए गुड़ाई करने के पूर्व क्लोरपायरीफास 1.5 प्रतिशत डस्ट प्रति 500 ग्राम प्रति पौधा के हिसाव से मिटटी में मिलाकर गुड़ाई करें तथा तने के चारो ओर चिपचिपी पट्टी (टीन की चद्दर पर ग्रीस लगाकर) चिपकावें।
	1. लहसुन एवं प्याज की फसल में थ्रिप्स के प्रकोप होने का अनुमान है। इसमें पौधे बीच में पीले पडकर सूखने/सडने लगते है। बचाव के लिए क्लोरोपाइरीफॉस दवा 1.25 से 1.5 लीटर प्रति हेक्टर के मान से छिडकाव करें। खाद एवं उर्वरकों को सिंचाई के साथ दें।
	टमाटर, बेंगनः तैयार खेत में बेगन का रोपण करें। अनुसंसित किस्में पूसा पर्पल लोंग, पूसा पर्पल राउण्ड, पूसा पर्पल क्लस्टर,जवाहर बेंगन–64 एवं अन्य संकर किस्में। टमाटर का रोपण करें अनुसंसित किस्मेंः अर्काविकास, सिलेक्सन–22 पूसा रुबी, जवाहर टमाटर–99 एवं अन्य संकर किस्में।
पशु पालन एवं बकरी पालन	1. आगामी मौसम में पशुओं में फुट एन्ड माउथ डिसीज (खुरपका एवं मुँहपका) के फैलने की सम्भावना रहती है अतः पशु पालकों को सलाह है कि पशुचिकित्सक की सलाह से टीकाकरण अवश्स करवाऐं। 2. बकरियों में पी.पी.आर. का टीकाकरण अवश्य लगवाऐं।

GIRD

कृषि परामर्श	संभावित मौसम पूर्वानुमान को देखते हुए इस समय खडी फसलों व सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें व तापमान वृद्धि को देखते सब्जियों में सिंचाई सुबह अथवा शाम के समय करें।		
		अवस्था	**सलाह**
मुख्य फसलें	गेंहू	दूधिया अवस्था	देरी से बोई गई गेंहू की फसल इस समय दूधिया अवस्था में है अतः संभावित मौसम पूर्वानुमान को देखते हुए आवश्यकतानुसार सिंचाई करें व इसके अलावा गेंहू में चूहों का प्रकोप भी हो सकता है अतः इसके नियंत्रण हेतु जिंक फास्फाइड 4 ग्राम दवा 100 ग्राम आटे के हिसाब से मिलाकर चूहों के विलों के पास रखें।
	सरसों	पकने की अवस्था	संभावित मौसम पूर्वानुमान में वर्षा नहीं होने के अनुमान को देखते हुए सरसों की फसल की कटाई कर सुखाकर गहाई करें।
	चना	पकने की अवस्था	संभावित मौसम पूर्वानुमान में वर्षा नहीं होने के अनुमान को देखते हुए पकी हुई चना की फसल की की फसल की कटाई करें व सुखाकर गहाई करें।
सब्जियां	लौकी तोरई व खीरा	वृद्धि अवस्था	इस समय लौकी, तोरई, कददू, खीरा, ककडी व करेला आदि सब्जियां वृद्धि अवस्था में अतः लाल कीडा(रेड पम्पकिन बीटल) की संम्भावना हो सकती है अतः अतः दिखाई देने पर इसके नियंत्रण हेतु क्लोरोपाइरीफास 1.5 से 2.0 मिली दवा प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिडकाव करें।
	गोभी,बन्द गोभी	फलन अवस्था	इस समय गोभी व बन्द गोभी में माहू की संम्भावना हो सकती है। अतः दिखाई देने पर इसके नियंत्रण हेतु नींम का तेल (इजेडिरैक्टिन) 1.5 से 2.0 लीटर को 400 से 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिडकाव करें।
पशुपालन	गायएभेंस		संम्भावित मौसम पूर्वानमान को देखते हुए पशुओं को दिन के समय छाया में रखें व दिन में तीन बार स्वच्छ ताजा पानी पिलावें व संतुलित आहार दें।

NIMAR PLATEAU

सामन्य सलाह	इस तापमान में चारा फसलों ज्वार, बाजरा, मक्का, लोबिया आदि की बुवाई खेतो में पलेवा करके करें। बेबी कार्न की एच एम – 4 किस्म की भी बुवाई शूरू कर सकते है ।	
फ़सल	**क्र.**	**सलाह**
आम	1	आम के बगीचों में यदि गुच्छा रोग दिखाई दे तो पुष्प गुच्छ को काट कर नष्ट कर देवे एवं फुदका तथा मिली बग कीट की निगरानी करें ।

JHABUA HILLS

आगामी पांच दिनों के लिए कृषि परामर्श:- जिले में आगामी 5 दिनों में आसमान में साफ से छिटपुट बादल रहने, तापमान सामान्य रहने व वर्षा नहीं होने की संभावना है। किसानो को सलाह दी जाती है कि वे कोरोना वायरस से बचाव हेतु शासन व्दारा दिए गए दिशा निर्देशों का पालन करते हुए पककर तैयार फसल की कटाई करें एवं खलिहान में सुरक्षित रखे । पूर्व में काटी एवं खलिहान में सूखी फसल की शीघ्रता से गहाई कर सुरक्षित स्थान पर रखे । बिजली के तार व खम्भों से दूर खलिहान बनाये जिससे आग लगाने का जोखिम न रहे । कटी फसल को खलिहान में उचित नमीस्तर तक सुखा कर गहाई करें । रबी फसलों की कटाई उपरांत ग्रीष्मकालीन मूंग व उड़द की शीघ्रता से बुआई पूर्ण पूर्व में बोई गई फसल की 7 से 10 दिन के अंतराल से सिंचाई करें ।

फसल	कीट / व्याधि	कृषि कार्य परामर्श
गेंहूँ	बीज उत्पादन हेतु बिजातीय किस्म के पौधों को उखाड़ कर अलग करें ।	पककर तैयार फसल की कटाई करें । उचित नमीस्तर तक सुखाकर गहाई करें ।
चना		पककर तैयार फसल की कटाई करें व उचित नमीस्तर तक सुखाकर गहाई करें ।
मूंग	बीज की बुआई से पूर्व 2.0 ग्राम थायरम व 1.0 कार्बेन्डाजिम दवा प्रति किलो बीज से उपचारित कर फिर 5–5 ग्राम राइजोबियम कल्चर व पीएसबी कल्चर से उपचारित कर बुआई करें ।	जायद मूंग की बुआई हेतु उपयुक्त किस्मे- आईपीएम-02-03, जेएम- 721, टीएम- 37 की बोनी करें । बीजदर – 30 किलो/हेक्टे. रखें ।
फलवृक्ष	आम के बाग की फल लगने पर सिंचाई करें । आम के पेड़ों पर मिलीबग के नियंत्रण हेतु तने पर ग्रीस की पट्टियां बांधे एवं तने के आसपास भूमि में फोलिडाल दवा @ 250 ग्रा./पेड़ की दर से डालें । बेर के पुराने व देसी पेड़ में कलिकायन हेतु पेड़ की उचित ऊचाई से कटाई करे। कटहल में फलगलन की समस्या हेतु मेंकोज़ेब 2 ग्राम/ली के घोल का 15 दिन के अंतराल से दो छिडकाव करें ।	
सब्जियां	रसचूसक कीट व वायरस जनित रोग के नियंत्रण हेतु थयोमिथाक्सिम दवा 7.0 ग्रा./पम्प (0.45 से 0.50 ग्रा./ली.) का छिड़काव करे । मिर्च, टमाटर, बैगन आदि में प्ररोह एवं फलछेदक इल्ली की रोकथाम हेतु ट्रायजोफॉस दवा 2.0 मिली/ली का छिड़काव करें।	मिर्च, टमाटर, बैगन, गोभी, पालक, मेंथी, पत्तागोभी, गाजर की समय पर तुड़ाई करे बाजार में बेचे। ग्रीष्मकालीन कद्दूवर्गीय सब्जियों, भिण्डी, पालक, टमाटर, मिर्च, बैगन, ग्वारफली आदि की समय पर सिंचाई कर अनुसंशित उर्वरक की मात्रा दें । रबी प्याज की पककर तैयार फसल की पत्तियां काट दें एवं एक सप्ताह सूखने के बाद खुदाई कर अच्छी तरह सुखाकर भण्डारित करें । गैलार्डिया व गेंदा फूलों को खेत तैयार कर रोपित करें ।
कंद/ प्रकंद- हल्दी, अदरक	हल्दी व अदरक की परिपक्व फसल के प्रकंद की खुदाई करें ।	
पशु / पक्षी	पशुओं को खुरपका-मुहपका रोग से बचाव का टीका लगवाये एवं पेट के कीड़े की दवा दें ।	बरसीम की चतुर्थ कटाई उपरांत सिंचाई कर अनुशंसित उर्वरक की मात्रा दें व बीज उत्पादन हेतु आगे की कटाई रोक दें । ग्रीष्मकालीन हरे

		चारे हेतु मक्का की अफ्रीकन टाल, विजय या किसान किस्म की बुआई करें।

MALWA PLATEAU

फ़सल	अवस्था	सलाह
सामान्य सलाह		• **कोरोना (कोविड़-19) के गंभीर फैलाव को देखते हुए किसानों को सलाह है कि तैयार फसलों की कटाई तथा अन्य कृषि कार्यों के दौरान भारत सरकार द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों, व्यक्तिगत स्वच्छता, मास्क का उपयोग, साबुन से उचित अंतराल पर हाथ धोना तथा एक दूसरे से सामाजिक दूरी बनाये रखने पर विशेष ध्यान दें।** • अनाज को भंडारण में रखने से पहले भंडार घर की अच्छी तरह सफाई करें तथा अनाज को अच्छी तरह से सुखा लें एवं कूड़े-कचरे को जला या दबा कर नष्ट कर दें। भंडारघर की छत, दीवारों और फर्श पर एक भाग मेलाथियान 50 ई.सी.को 100 भाग पानी में मिला कर छिड़काव करें। यदि पुरानी बोरियां प्रयोग करनी पड़े तो उन्हें एक भाग मेलाथियान व 100 भाग पानी के घोल में 10 मिनट तक भिगो कर छाया में सुखा लें।
गेंहू	परिपक्वता अवस्था	गेंहू फसल को पादपकार्यकी अवस्था में कटाई करे तो नुकसान कम होगा इस समय दाने मे यदि 12-15 प्रतिशत तक नमी हो तो भी कटाई कर सकते हैं।
चने	परिपक्वता अवस्था	चने की फसल को मौसम को देखते हु समय से कटाई एंव गहाई कर सुरक्षित भंडारण करे।
सरसों	परिपक्वता अवस्था	सरसों की फसल की कटाई समय से कर लें क्योकि जिस प्रकार का मौसम है उसमें फलीयों के चटकने के कारण बीज का नुकसान हो सकता हैै एं सुरक्षित भंडारण करे।
मूंग		• मूंग की फसल की बुवाई हेतु किसान भाई उन्नत बीजों की बुवाई करें। उन्नत क़िस्म मूंग-3, (टी.जे. एम -3), जवाहर मूंग -721, के – 851 • बुवाई से पूर्व बीजों को फसल विशेष राईजोबीयम तथा फास्फोरस सोलूबलाईजिंग बेक्टीरिया से अवश्य उपचार करें। बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी का होना आवश्यक है।
फल / फूल		• आम नीबू के पेंडों में सिंचाई की व्यवस्था बनायंे व जल उपलब्धता कम होने पर देशी खाद दें कर मलचिंग करें • बेर के पौधो की कटाई-छटाईकरें। व जाम के पौधों में पानी रोकर तान दें ताकि गर्मी में फूल आने से रोका जा सके। • गर्मी में गंेदा गेलार्डिया देशी गुलाब मोंगरा एंव वेला आदि फुलों की खेती कर अतिरिक्त लाभ लें सकते हैं
सब्जियां और मसाले		
आलू, मटर, मिर्च, टमाटर / लहसुन		• ग्रीष्म कालीन संब्जियों चैला, भिन्डी ग्वारफली मिर्च टमाटर बेगन एंव तेल वाली सब्जियों की बुवाई अतिशीघ्र करे। • तैयार फसलों की खुदाई तुरन्त कर विक्रय एंव भण्डारण की व्यवस्था करें। • खाली खेतों की जुताई करआद्रता को रोकर रखे। • मौसम में बार-बार बदलाव से गोभीवर्गीय फसलों की गुणवत्ता मे

		गिरावट आती हैं अतः तैयार फसल को तुरंत विक्रय करें।
चारे वाली फासले		
वरसीम		रवी मौसम मे हरे चारे के लिए वरसीम की वुवाई करे। उपयुक्त किस्मे वरदान बुलंद बरसीम एंव जे. वी. 3 वीज दर 25–30 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करे।
पशु		
पशु	• पशु पालक भाई दूधारु पशुओ को हरे एवं शुष्क चारे के मिश्रण के साथ नियमित रुप से 50 ग्राम नमक 50 से 100 ग्राम खनिज मिश्रण प्रति पषु एवं दाना खिलावें। • पशुओ मे खुरपका एवं मुहपका के टीके लगवाए। पशुओ को साफ एवं ताजा पानी दिन मे दो बार दे, साथ ही साथ हरे चारा दे। बाहरी परजीवी से बचाव के लिए ब्यूटोक्स का उपयोग करे। दे पशु शाला की नियमित सफाई करे 1 लीटर पानी मे 5 मिली फिनायल मिलाकर फर्श की सफाई करे।	
मुर्गी पालन	मुरगियों मे रानी खेत बीमारी के नियंत्रण के लिए टीका लगवाए चूजो को 7 दिन की अवस्था पर टीकाकरन करे। मुर्गे एवं मुरगियों मो मिनरल मिक्सचर तथा साफ एवं ताजा पानी दे।	
बकरी पालन	• पीपीआर रोग को नियंत्रित करने के लिए बकरी का टीकाकरण करें। • बकरी को सूखे और छायांकित जगह पर रखें और दिन में तीन बार हरा चारा, ताजा और साफ पानी दें। एंडो और एक्टो परजीवी के लिए नियंत्रण उपाय लागू करें।	

SATPURA PLATEAU

विशेष सलाह:-

प्रिय किसान बहनों एवं भाइयों,

कोरोना के इस संकट के समय कटाई व अन्य कृषि एवं सामाजिक कार्य करते समय निम्न सावधानियां रखें:

1. सभी साथी किसानों और श्रमिकों से कम से कम 1 मीटर की दूरी बनाकर रखें, अलग-अलग क्यारियों में कटाई करें और अपने चेहरे को ढक कर रखें।

2. अपने औजार जैसे दरांती, जेली, खुरपी, फावड़ा, रस्सी आदि अगर किसी से साझा करना भी पड़े तो इन औजारों को नीम या साबुन के पानी या फिनायल आदि से सैनिटाइज करें और उन्हें धूप में रखें।

3. सब्जी/दूध आदि को मंडी/ डेयरी में बेचने जाए तो अन्य लोगों से पर्याप्त दूरी बनाकर रखें, मास्क अवश्य लगाएं, सैनिटाइजर से हाथ साफ करते रहें, अपने चेहरे को न छुएं। साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें।

4. सामाजिक दूरी बनाकर रखें। विभिन्न प्रकार के सामाजिक आयोजनों जैसे उद्यापन, सवामणी, जागरण आदि को यथासंभव स्थगित कर दें।

5. धूप एवं डिहाइड्रेशन से बचने के लिए सिर ढक कर रखें, पर्याप्त पानी पीते रहें और शरीर को स्वस्थ रखें।

6. और सबसे महत्वपूर्ण, सरकार द्वारा समय-समय पर जारी एडवाइज़री का पूर्णतः पालन करें।

ध्यान रखें, सावधानी ही बचाव है।

सामान्य सलाह:-

- आगामी दिनों के मौसम को ध्यान में रखते हुए किसान भाइयो को सलाह दी जाती है की पूर्ण रूप से पकी हुई फसलों की कटाई एवं मंड़ाई कर खलिहान में धूप दिखाकर सुरक्षित स्थान में भंडारित करें।
- किसान भाई जिनके पास आने वाले दिनो मे पर्याप्त सिंचाई की सुबिधा उपलब्ध है खेत खाली होने पर ग्रीष्मकालीन मक्का (हरे भुट्टे के लिए बेबी कॉर्न, स्वीट कॉर्न), मुंग, उर्द, मुगफल्ली (कच्ची फल्ली) की अति सीग्र बुवाई करें।

ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द :-

- किसान भाई जिनके पास आने वाले दिनो मे पर्याप्त सिंचाई की सुबिधा उपलब्ध है खेत खाली होने पर ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की बुबाई प्रारम्भ करें साथ ही साथ उन्नत किस्मों का चयन करें।

- बीज जनित रोगों की रोकथाम हेतु बीजोपचार आवश्यक हैं बोनी के पूर्व 5 ग्राम ट्राइकोडर्मा बिरडी प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करें एवं बाद में 5 ग्राम राइजोबियम कल्चर 5 ग्राम पी.एस.बी. कल्चर से बीजोपचार करवाना चाहिए। ट्राइकोडरमा बिरडी न मिलने पर 3 ग्राम थीरम प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करें एवं बाद में कल्चर एवं पी.एस.बी. से बीजोपचार करना चाहिए।

<u>गेहू :-</u>

- आगामी दिनों के मौसम को ध्यान में रखते हुए किसान भाइयो को सलाह दी जाती है की गेहूं की फसल सभी जगहों पर पककर तैयार हो चुकी है, पकी हुई फसल की कटाई करके धूप मे सुखाकर गहाई करें।
- जब गेहूं की बलियाँ सूखकर नीचे की ओर झुकने लग जाएँ तब गेहूं की कटाई की जा सकती है।
- किसान भाई गेहूं फसल की कटाई के पश्चात बचे हुए ठुठों (फसल अवसेशों) मे आग न लगाएँ।

<u>उद्यानकी फसले :-</u>

- भिन्डी की फसल में यदि पत्तीयों की शिराओं का रंग पीला पड़ रहा हो तो ये पीत शिरा मोजेक रोग के लक्षण हो सकते है अतः ऐसे पौधों को उखाड़कर जमींन में गाड़ दें तथा संक्रमण के प्रारंभिक चरण में रस चुसक कीटों को नियंत्रित करने के लिए इमेडाक्लोरप्रीड 5-7 ml प्रति पम्प का छिडकाव करें।
- आम के बाग में सिंचाई करना बंद करें।
- आम की फसल में बौर आ चूका है तथा फल बनना प्रारंभ हो रहा है, इस अवस्था में भभूत्या रोग लगने की संभावना बढ़ जाती है। अतः किसानों को सलाह है कि किसान भाई इसकी सतत निगरानी करते रहें तथा भभूत्या रोग के लक्षण दिखाई देने पर सल्फेक्स नामक दवा 3 ग्राम प्रति लीटर पानी के अनुसार घोल बनाकर छिडकाव करें।
- आम में मिलिबग को नियंत्रित करने के लिए तने में ग्रीस स्ट्रिप्स का उपयोग करें और फोलिडॉल @ 250 ग्राम/पौधा की दर से मिट्टी में उपयोग करें।
- आम की फसल मैं फल और फुल झड़ने से रोकने हेतु के लिये ५ मिलीलीटर / पम्प की दर से प्लानोफिक्स नामक दावा का छिडकाव करे।
- नीम्बू, संतरा और मौसमी में गमोसिस तथा एन्थ्रोकनोज के नियंत्रण के लिए 2.5 ग्राम ब्लाइटाक्स प्रति लीटर पानी में घोलकर छिडकाव करे।

<u>पशुपालन :-</u>

- वर्तमान समय मे बढ़ते तापमान को देखते हुए किसान भाइयो को सलाह दी जाती है की पशुओं को विशेष रूप से संरक्षित और सुरक्षित पशुशाला मे ही बांधे |
- पशुओं के अच्छे स्वस्थ व दुग्ध उत्पादन के लिए चारे के साथ-साथ 50 ग्राम नमक तथा 50 से 100 ग्राम खनिज मिश्रण प्रति पशु अवश्य दें |
- यदि गाय का बछड़ा अत्यन्त कमजोर हो तथा बाल झड रहे हो तो यह विटामिन ए की कमी से हो सकता है अत: विटामिन ए का इंजेक्शन लगवाये।
- पशुओ को पौष्टिक हरा चारा खिलाने के लिए उसे फूल आने के पहले ही कटाई करें।

ममता यादव
वैज्ञानिक सी
कृते निदेशक